>

Title: Alleged shouting of slogans in favour of Pakistan by some anti-social elements in Delhi.

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): आदरणीय अध्यक्षा जी, पांच अगस्त को आदरणीय श्री आडवाणी जी और सुषमा जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के दस विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें मुझे भी पार्टी की ओर से आडवाणी जी और सुषमा जी ने जम्मू-कश्मीर के प्रभारी के तौर पर नियुक्त किया गया, हम सभी लोग आदरणीय प्रधानमंत्री जी से जम्मू-कश्मीर की समस्या के बारे में मिले थे। आदरणीय आडवाणी जी को आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने आश्वस्त किया था कि जल्दी ही हम जम्मू-कश्मीर की समस्या का निराकरण करेंगे। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि प्रधानमंत्री जी का आडवाणी जी और सुषमा जी को दिया हुआ ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपने जो नोटिस दिया है, आप उस पर नहीं बोल रहे हैं।

डॉ. राजन सुशान्त : मैडम, उसी पर बोल रहा हूं।

अध्यक्ष महोदया : नोटिस पर बोलिए। जो विषय है, उस पर बोलिए।

डॉ. राजन सुशान्त : अभी 48 घंटे भी नहीं गुजरे थे कि देश की राजधानी दिल्ली के अंदर इकट्ठे होकर कुछ लोगों ने नारे लगाए - पाकिस्तान जिंदाबाद, शेम-शेम इंडिया। ...(व्यवधान) यह देश की राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर रोड पर हुआ। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि भारत सरकार और सारा सरकारी तंत्र देश विरोधी नारों को खामोशी से गूंगा बनकर देखता रहा और झेलता रहा। अध्यक्षा जी, इससे ज्यादा हद उस समय पार हो गयी, जब इन राष्ट्र विरोधी शक्तियों को करारा देने के लिए जम्मू-कश्मीर के कुछ राष्ट्रभक्त मुसलमान भाइयों और कश्मीरी पंडितों ने यहां पर नारा लगाया - हिंदुस्तान जिंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद और भारत माता की जय। वहां पर उनको हौसला देने के बजाय, दिल्ली के अंदर सरकार ने भारत माता की जय और हिंदुस्तान जिंदाबाद बोलने वालों को पीटा और उनको गिरफ्तार करके जेल में बंद कर दिया। मुझे इसके बारे में रात को ही पता लगा। मैंने आदरणीय सुषमा जी से रात में ही बात की, फिर सुषमा जी और पार्टी के लोगों के कहने पर उनको जेल से रिहा किया गया। मैं आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं कि देश की स्थिति भयंकर होती जा रही है। आज हिंदुस्तान में रहकर हिंदुस्तान जिंदाबाद बोलना, भारत माता की जय के नारे लगाना गुनाह हो गया है। सारा राष्ट्र आज इन सारी घटनाओं को चिंतित होकर देख रहा है। जब हमारे देशभक्त मुसलमान भाइयों और कश्मीरी पंडितों को जेल में ठूंसा गया, तब उस समय हमको लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल और पंडित नेहरू याद आए। सरदार पटेल तो इसलिए याद आए कि देश उनको इस वक्त याद कर रहा है कि आज जम्मू-कश्मीर की स्थितियों से निपटने के लिए पटेल जैसे गृहमंत्री की जरूरत है। पंडित नेहरू को इसलिए याद किया जा रहा है, जैसे कहा जाता है कि लम्हों ने खता की थी, सदियों ने सजा पायी, उसी तरह उस समय की नेहरू जी और शेख अब्दुल्ला की दोस्ती का खामियाजा सारा हिंदुस्तान आज भी भुगत रहा है। ...(व्यवधान) जो आज दोस्तियां चल रही हैं, ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. राजन सुशान्त : उसकी बात कर रहा हूं, आज भी उससे मुश्किलें आ रही हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. राजन सुशान्त : अध्यक्षा जी, मैं मांग करता हूं कि जिन लोगों ने राष्ट्र विरोधी नारे लगाए हैं और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए हैं, उनको सख्त से सख्त सजा दी जाए। उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दायर किया जाए, उनको जेल में ठूंसा जाए और जिन अधिकारियों ने राष्ट्रभक्त लोगों को जेल में ठूंसा, उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री अर्जुन राम मेघवाल अपने आपको डॉ. राजन सुशान्त के विषय से संबद्ध करते हैं।